HINDI PRELIM: SOLUTION PAPER 1

विभाग १ - गदय : 20 अंक

Q.1 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

Since-1989
BABU SIRS
GROUP TUITIONS

1 **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

1) लिखिए

Ans.

2)

Ans.

वास्तव में जब संपत्ति थोड़े-से हाथों में बँधी न रहकर समाज में फैली रहेगी तो सहकार पद्धति से बड़े पैमाने पर ऐसे काम आसानी से चलने लगेंगे और उनका लाभ लेने वाले, याचक या दीन की तरह नहीं, सम्मानपूर्वक लाभ उठाएँगे।

अर्थशास्त्री कहते हैं कि उत्पादन की प्रेणा के लिए व्यक्ति को स्वार्थ के लिए अवसर देने होंगे वरना देश में उत्पादन और संपत्ति नहीं बढ़ सकेगी, बचत भी नहीं होगी। अनुभव बताता है कि पूँजी, गरीबी या बेकारी की समस्या हल नहीं कर सकी है । नैतिक दृष्टि से भी स्वार्थवृत्ति का पोषण करना योग्य नहीं है । बहुत करके स्वार्थ का अर्थहोता है परार्थ की हानि । उसी में से स्पर्धा बढ़ती है, जिसके फलस्वरूप कुछ थोड़े से लोग ही लाभ उठा सकते हैं, बहुसंख्यकों को तो हानिही पहुँचती है । मानवोचित सहयोग की जगह जंगल का कानून या मत्स्य न्याय चलता है। आखिर यह देखना है कि समाज का कल्याण किस वृत्ति से होगा? अगर समाज में स्वार्थ वृत्ति के लोग अधिक हों, तो क्या कल्याण की आशा रखी जा सकती है? समाज तो परोपकार वृत्ति के बल पर ही ऊँचा उठ सकता है। संपत्ति बढ़ाने के लिए स्वार्थ का आधार दोषपूर्णहै।

A2) रिक्त स्थानों की पूर्ति करो । 2

1) समाज परोपकारी वृत्ति के बल पर .....
(नीचे गिर सकता है, ऊँचा उठ सकता है, विकास कर सकता है)

Ans. समाज परोपकारी वृत्ति के बल पर **ऊँचा उठ सकता है।**

2) नैतिक दृष्टि ने भी स्वार्थवृत्ति का .....
(पोषण करना योग्य नहीं है, पोषण करना योग्य है, परार्थ के लिए योग्य नही है)

Ans. नैतिक दृष्टि ने भी स्वार्थवृत्ति का **पोषण करना योग्य नहीं है।**

A3) i) लिंग पहचानकर लिखिए। 1

(1) जंगल – .....
(2) समाज – .....

Ans. जंगल – **पुल्लिंग**
समाज – **पुल्लिंग**

Since-1989
BABU SIRS
GROUP TUITIONS

ii) पर्यायवाची शब्द लिखिए 1

(1) वन - .....
(2) मौका - .....

Ans. (1) वन - **जंगल**
(2) मौका - **अवसर**

A4) स्वमत :- 2

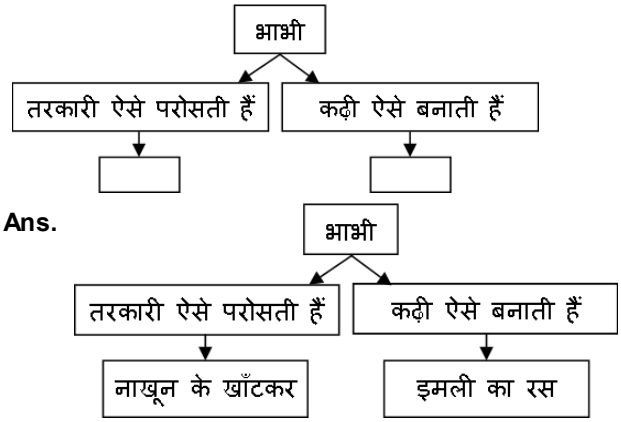

Ans.

Since-1989
BABU SIRS
GROUP TUITIONS

ii) गद्यांश में से योजक शब्द ढूंढ कर लिखिए। 1

(i) .....

(ii) .....

Ans. (i) शादी-ब्याह

(ii) एक-एक

माँ हँसकर कहती, "जा-जा बेचारा मेरे काम में पूजा-भोग की बात नहीं उठाता कभी ।" पड़ोसी गाँव के पंचानंद चौधरी के छोटे लड़के को एक बार मेरे सामने ही बेपानी कर दिया था सिरचन ने -"तुम्हारी भाभी नाखून से खाँटकर तरकारी परोसती है और इमली का रस डालकर कढ़ी तो हम मामूली लोगों की घरवालियाँ बनाती हैं । तुम्हारी भाभी ने कहाँ से बनाना सीखी हैं !"

इसलिए, सिरचन को बुलाने के पहले मैं माँ से पूछ लेता ...। सिरचन को देखते ही माँ हुलसकर कहती, "आओ सिरचन ! आज नेनू मथ रही थी, तो तुम्हारी याद आई । घी की खखोरन के साथ चूड़ा तुमको बहुत पसंद है न... ! और बड़ी बेटी ने ससुराल से संवाद भेजा है, उसकी ननद रूठी हुई है, मोथी की शीतलपाटी के लिए ।"

सिरचन अपनी पनियायी जीभ को सँभालकर हँसता-"घी की सोंधी सुगंध सूँघकर ही आ रहा हूँ, काकी ! नहीं तो इस शादी-ब्याह के मौसम में दम मारने की भी छुट्टी कहाँ मिलती है ?"

सिरचन जाति का कारीगर है । मैंने घंटों बैठकर उसके काम करने के ढंग को देखा है । एक-एक मोथी और पटेर को हाथ में लेकर बड़े जतन से उसकी कुच्ची बनाता । फिर, कुच्चियों को रँगने से लेकर सुतली सुलझाने में पूरा दिन समाप्त ।... काम करते समय उसकी तन्मयता में जरा भी बाधा पड़ी कि गेहुँअन साँप की तरह फुफकार उठता-"फिर किसी दूसरे से करवा लीजिए काम ! सिरचन मुँहजोर है, कामचोर नहीं ।"

A2) स्वमत :- 2

"देश की आत्मा गाँवो में बसती है"। इस पर 8 से 10 पंक्तियों में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

Ans. देश की आत्मा गाँवों में बसती हैं। हमारे देश की 70% जनता का गाँवो में निवास, गाँव के लोगो का आपस में भाईचारा, अनेक प्रकार के कारीगर, देश की संस्कृति का दर्शन गाँव में, किसी प्रकार का प्रदूषण नहीं, व्रत – त्योहार में मनोरंजन, आपसी सहयोग, समय की कमी नहीं, चौपाल, सीधे – सादे लोग, कोई छल – कपट नहीं, आडंवर नही, मुख्य कार्य खेती, हर मौसम का आनंद गाँव का जीवन स्वर्ग से भी बढ़कर।

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :- **(4)**

1 **A1)** i) उचित जोड़िया मिलाइए :- 1

'अ' गट	'ब' गट
(1) भीतरी कुंठा आई बाहर	अ. मृत्यु को जीना।
(2) धुल गए विषाद मन पावन	ब. बरसीं आँखें।
(3) मन की पीड़ा छाई बन बादल	क. खारे जल से।
(4) जिजीविषा	ड. आँखों के द्वार से।

Since-1989
BABU SIRS
GROUP TUITIONS

Ans.

(1) भीतरी कुंठा आई बाहर	आँखों के द्वार से।
(2) धुल गए विषाद मन पावन	खारे जल से।
(3) मन की पीड़ा छाई बन बादल	बरसीं आँखें।
(4) जिजीविषा	मृत्यु को जीना।

ii) शब्दों के वचन बदलकर लिखिए :- 1

1) आँख - .....

Ans. आँख - **आँखें**

2) पटरियाँ **-** .....

Ans. पटरियाँ **- पटरी**

Since-1989
BABU SIRS
GROUP TUITIONS

भीतरी कुंठा आँखों के द्वार से आई बाहर ।	
	खारे जल से धुल गए विषाद मन पावन ।
मृत्यु को जीना जीवन विष पीना है जिजीविषा ।	
	मन की पीड़ा छाई बन बादल बरसी आँखें ।

A2) स्वमत :- 2

"परोपकार ही जीवन जीने का सही अर्थ है"

Ans. परोपकार ही जीवन है, असली मनुष्य वही है, जो दूसरों के लिए जीता है। अपने लिए तो पशु-पक्षी भी जीते है। ये बात विवेकानंद नगर में सोहम आश्रम में आयोजित सत्संग समारोह को संबोधित करते हुए स्वामी रामस्वरूप महाराज ने कही। उन्होंने कहा कि विद्या और ज्ञान जितना बांटो, उतनी ही इसमें वृद्धि होती है। प्रत्येक व्यक्ति को चाहिए कि वह उच्च शिक्षा ग्रहण करे और जो ज्ञान उसे मिला है, उसको दूसरे लोगों में बांटे। उन्होंने कहा कि ज्ञान को पास रखने से उसमें वृद्धि नहीं होती बल्कि ज्ञान को दूसरे लोगों में बांटने से कुछ नया सीखने को मिलता है।

विभाग ४ - भाषा अध्यन (व्याकरण) : 14 अंक

Q.4 सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(1) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए :- **(1)**

<u>बाबू समस्वरुप</u> आपने मेरे <u>साथ</u> दगा <u>किया है</u>।

Ans. बाबू रामस्वरुप - **व्यक्तिवाचक संज्ञा**
साथ - **संबंधसूचक अव्यय**
किया है। - **क्रिया**

(2) निम्नलिखित अव्यय शब्दों मे से किसी एक का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए :- **(1)**

(i) बाद

Ans. इसके बाद सबकुछ ठीक हो गया।

(ii) यहाँ -

Ans. <u>यहाँ</u> हर साल गर्मियों में मेला लगता है।

Since-1989
BABU SIRS
GROUP TUITIONS

(3) तालिका पूर्ण कीजिए (कोई एक) :- **(1)**

संधि शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
i)	तरंग + आयित	.....
ii)	महा + ऋषि	.....

Ans.

संधि शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
i) तरंगायित	तरंग + आयित	स्वर संधि
ii) महर्षि	महा + ऋषि	स्वर संधि

(4) सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए (कोई एक) :- **(1)**

(i) मौसम आता-जाता रहेगा|

Ans. रहेगा-रहना

(ii) समय आने पर गहने फिर बन जाएँगे।

Ans. जाएँगे - जाना

Since-1989
BABU SIRS
GROUP TUITIONS

(5) 'प्रथम' तथा 'द्वितीय' प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए (कोई एक) :- **(1)**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
i) तोड़ना	तुड़ाना	.....
ii) बेचना	.....	बिकवाना

Ans.

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
i) तोड़ना	तुड़ाना	तुड़वाना
ii) बेचना	बिकाना	बिकवाना

(6) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए :- **(1)**

दिन भर परिश्रम करने के कारण रमेश <u>जल्दी सो गया</u>।
(आँखे चमकना, आँख लगना)

Ans. दिन भर परिश्रम करने के कारण रमेश की जल्दी <u>आँख लग गई</u>।

अथवा

निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए

1) देखते रह जाना -

Ans. अर्थ - आश्चर्य चकित होना।
वाक्य- छोटी बच्ची की ईमानदारी देखकर मैं <u>उसे देखते रह गया</u> ।

2) आँखो का तारा होना -

Ans. आँखो का तारा होना - बहुत प्रिय होना।
वाक्य - बेटा माँ की आँखो का तारा होता है|

(7) वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए :- **(1)**

1) मैं लंदन से पेरिस के ग्वाईदीनों ट्रेन से उतरी थी।

Ans. पेरिस के- संबंधकारक
ट्रेन से - अपादान कारक

2) जिस गली में रहा हूँ, वहाँ एक आसमान भी है |

Ans. गली में - अधिकरण कारक

(8) वाक्य में यथास्थान विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिए :- **(1)**

Since-1989
BABU SIRS
GROUP TUITIONS

1) पिताजी सरस्वती और गृहलक्ष्मी दो पत्रिकाएँ मँगाते थे.

Ans. पिताजी 'सरस्वती' और 'गृहलक्ष्मी' दो पत्रिकाएँ मँगाते थे|

2) पहला उपन्यास लिखा 1944 में महाकाल जो छपा 1946 में.

Ans. पहला उपन्यास लिखा 1944 में 'महाकाल', जो छपा 1946 में|

(9) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए (कोई दो) :- **(2)**

(i) मानू फूट – फूटकर रो रही थी। (पूर्ण भूतकाल)

Ans. मानू फूट – फूटकर रोई थी |

(ii) काँटों ने फूल की जान बचाई| (सामान्य भविष्यकाल)